प्रदेश के 32 औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प करेगा यूपीसीडा

बुनियादी सुविधाएं व विकास की जिम्मेदारी अब यूपीसीडा के हवाले

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ : प्रदेश के 32 औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने व विकास की जिम्मेदारी अब उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के हवाले कर दी गई है। यूपीसीडा ने इन औद्योगिक क्षेत्रों के कायाकल्प की कार्ययोजना तैयार ली है। इनमें सर्वाधिक 10 औद्योगिक क्षेत्र यूपीसीडा के गाजियाबाद क्षेत्रीय कार्यालय से संबंधित हैं। इसके अलावा यूपीसीडा के आगरा क्षेत्रीय कार्यालय से संबंधित छह औद्योगिक क्षेत्रों, लखनऊ के चार, गोरखपुर, मेरठ व कानपुर के तीन-तीन, बरेली के दो व यूपीसीडा प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय से संबंधित एक औद्योगिक क्षेत्र को भी कार्ययोजना में शामिल किया गया है।

औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की योजना के तहत इन 32 औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं व साफ-सफाई की जिम्मेदारी संबंधित नगर निगमों को सौंपी गई थी। नगर निगमों की लापरवाही के चलते लगभग सभी औद्योगिक क्षेत्रों में कूड़ा निस्तारण की समस्या बनी हुई है। यूपीसीडा की तरफ से औद्योगिक विकास को लेकर आयोजित क्षेत्रीय कार्यशालाओं में कई उद्योगपतियों ने इस समस्या को उठाया था। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के निर्देश पर यूपीसीडा ने अब इन सभी औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार की है।

औद्योगिक क्षेत्रों की सफाई के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की तैयारी

पहले चरण में इन सभी औद्योगिक क्षेत्रों में कूड़े की समस्या का समाधान करने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था की जा रही है। कई कंपनियों का चयन हो गया है। जल्द ही कूड़ा प्रबंधन का कार्य शुरू कर सभी औद्योगिक क्षेत्रों को साफ-सुथरा बनाया जाएगा। प्रदेश में यूपीसीडा के 10 क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जिनके द्वारा प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है।

मयूर महेश्वरी, सीईओ यूपीसीडा

कार्ययोजना में इन औद्योगिक क्षेत्रों को किया गया शामिल

यूपीसीडा के आगरा क्षेत्रीय कार्यालय से संबंधित ईपीआइपी, सिकन्दरा साइट-ए, सिकन्दरा साइट-बी, सिकन्दरा साइट-सी, फाउण्ड्री नगर, मथुरा साइट-ए को कार्ययोजना में शामिल किया गया है। गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय के खलीलाबाद, मऊ व गोरखपुर, मेरठ के उद्योगपुरम, स्पोर्टस गुड्स कांप्लेक्स व परतापुर, गाजियाबाद के साइट-1 बुलंदशहर रोड, साइट-2 लोनी रोड, साइट-3 मेरठ रोड, साइट-4 साहिबाबाद, एसएसजीटी रोड, उद्योग कुन्ज, लोनी इस्टेट, कवि नगर, सेक्टर-22 मेरठ रोड लोहा मंडी व जीवन बिहार का कायाकल्प होगा। वहीं लखनऊ के अमौसी, सरोजनी नगर, रायबरेली साइट-1 व 2, कानपुर के पनकी-1-2-3-4 व 5, चकेरी व रुमा, बरेली के परसाखेड़ा व गजरौला (अमरोहा) तथा यूपीसीडा के प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय से संबंधित नैनी औद्योगिक क्षेत्र को कार्ययोजना में शामिल किया गया है।